भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1437**

04 दिसंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

**नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों सम्बंधी अनुसंधान**

**†1437. श्री मड्डीला गुरुमूर्ति:**

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के लिए उपयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों संबंधी अनुसंधान का संवर्धन करने के लिए क्या पहल की गई है;

(ख) इन प्रयासों में स्थानीय संस्थानों के साथ सहयोग, यदि कोई हो और अल्पसंख्यक समुदायों के शोधकर्ताओं की सहभागिता क्या है; और

(ग) ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों के लाभ के लिए ऐसे शोध के निष्कर्षों को कार्यान्वित करने की क्या योजना है?

**उत्तर**

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(डॉ. जितेंद्र सिंह)**

(क) से (ख): जी हाँ। भारत सरकार ने देश के विभिन्न राज्यों में नवीनीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर अनुसंधान के संवर्धन हेतु कई पहलें की हैं। आंध्र प्रदेश में, 18 परियोजनाओं को नवीनीकरण ऊर्जा के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) - अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान (एएनआरएफ) तथा समानता सशक्तिकरण और विकास के लिए विज्ञान (सीड) कार्यक्रम द्वारा सहायित किया गया है। आंध्र प्रदेश में निम्नलिखित परियोजनाएँ/सहयोग कार्य विनियोजित किए गए:

- विज्ञान में उत्कृष्टता के लिए सशक्तिकरण और समानता के अवसरों (ईएमईक्यू) पर एएनआरएफ के कार्यक्रम ने अल्पसंख्यक समुदायों के शोधकर्ताओं को सहायता प्रदान की ।
- आंध्र प्रदेश के कोना सीमा क्षेत्र में एसटी मछुआरा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने हेतु कम लागत वाली मत्स्य शुष्कक परियोजना।
- आंध्र प्रदेश के कोना सीमा क्षेत्र में मछुआरों की गुणवत्तापूर्ण आजीविका में सुधार हेतु कम लागत वाली लालटेन परियोजना।

(ग) नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित अनुसंधान एवं विकास के निष्कर्षों को कार्यशालाओं/हितधारक बैठकों के माध्यम से तथा स्थानीय हितधारकों के साथ मिलकर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों सहित समाज के सभी वर्गों तक प्रसारित किया जा रहा है।

*****